राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2849

17 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात की कीमतों में कमी

2849. श्री सी. एम. रमेशः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि इस्पात की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आने और लौह अयस्क की लागत में वृद्धि के परिणाम स्वरूप देश में कुछ कम्पनियों के इस्पात की कीमतें भी कम हो गई हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार की देश में इस्पात कम्पनियों की मदद करने की कोई आकस्मिक योजना है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी हाँ। वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 के दौरान हॉट रोल्ड और कोल्ड रोल्ड क्वायल की अंतर्राष्ट्रीय इस्पात कीमतों में क्रमशः 11.5% और 11.9% तक की कमी आई है। मार्च, 2019 से मई 2019 तक भी हॉट रोल्ड और कोल्ड रोल्ड क्वायल की अंतर्राष्ट्रीय इस्पात कीमतों में क्रमशः 15% एवं 14% तक की और अधिक गिरावट आई है। वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 में लौह अयस्क की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में 24% तक की वृद्धि हुई है। घरेलू बाजार में एचआर क्वायल की कीमत जून, 2018 की 54341 रुपये प्रति एमटी से कम होकर जून, 2019 में 47963 रुपये प्रति एमटी हो गई है, इसी प्रकार, समान अवधि में सीआर इस्पात कीमतें 64113 रुपये प्रति एमटी से घटकर 54280 रुपये प्रति एमटी हो गई हैं। जून, 2018 से जून, 2019 तक की अवधि के दौरान लौह अयस्क फाइंस और लम्प की घरेलू कीमत में 4.5% की बढ़ोत्तरी हुई है।

(ख): इस्पात उद्योग एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और देश में इस्पात की कीमतें बाजार संचालित और वाणिज्यिक रूप से निर्धारित होती हैं। तथापि, सरकार ने एंटी डंपिंग ड्यूटी, काउंटरवेलिंग ड्यूटी और न्यूनतम आयात शुल्क जैसे विभिन्न व्यापारिक उपायों के जरिए घरेलू इस्पात क्षेत्र को बचाने के लिए विभिन्न पहलें की हैं। इन व्यापारिक उपायों के अलावा, सरकार ने सरकारी एजेंसियों द्वारा घरेलू रूप से विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पादों की खरीद के लिए घरेलू विनिर्मित लोहा एवं इस्पात नीति के साथ-साथ देश में घटिया इस्पात के आयात को रोकने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश भी लागू किया है।

***